

चेकलिस्ट: साइन करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट में डालने वाली बातें

ऊपर बताई सभी बातों के आधार पर यह एक व्यावहारिक चेकलिस्ट है। इसे अपने ठेकेदार के साथ लाइन-बाय-लाइन देखें और हर बात कॉन्ट्रैक्ट में लिखवाएं — सिर्फ जुबानी वादे पर भरोसा न करें।

unwrittenclause.com/hi/checklist

- 01 रोड लेवल और अपनी ज़मीन का लेवल नपवाकर, फाइनल प्लिंथ हाइट तय करके बेस रेट में शामिल कराएं (2-3 फीट से ऊपर 'एक्स्ट्रा' बिल न हो)। ☐
- 02 छज्जे, बालकनी और गैलरी की ड्रेनेज पाइप/स्लोप प्लान में मार्क हों और प्लिंथ बीम-लेंटर के साथ ही लगें, बाद में नहीं। ☐
- 03 कार रैंप की लंबाई कम से कम 10 फीट और अधिकतम ढलान तय हो, प्लिंथ बीम पड़ने से पहले ही — और रैंप के ग्रेनाइट की लंबाई और चौड़ाई कॉन्ट्रैक्ट में लिखी हो। ☐
- 04 अंडरग्राउंड वाटर टैंक और सोखे का साइज़ परिवार की ज़रूरत के हिसाब से फिक्स करके लिखा जाए, ओपन-एंडेड न हो। ☐
- 05 लिफ्ट शाफ्ट की इलेक्ट्रिकल फिटिंग (हैवी वायरिंग + लाइटिंग) अलग लाइन आइटम के रूप में, योग्य इलेक्ट्रिशियन के साथ हो। ☐
- 06 लेंटर की लेवलिंग की खामी हैंडओवर से पहले ठेकेदार ठीक करे; फॉल सीलिंग आपकी डिज़ाइन पसंद हो, खामी छिपाने का ज़रिया नहीं। ☐
- 07 असली काम करने वाले सब-कॉन्ट्रैक्टर का नाम बताया जाए, और आपकी पेमेंट लिखित, तारीख वाले माइलस्टोन से जुड़ी हो। ☐
- 08 पेमेंट शेड्यूल वेरिफाई हो सकने वाले फिनिशिंग स्टेज से जुड़ा हो, फिनिशिंग (पेंट, पत्थर, वुडवर्क) पूरा होने तक 25-30% रोका जाए। ☐
- 09 वॉटरप्रूफिंग ('झाप') का रेट अलग और साफ हो, लेंटर के रेट में बंडल न हो। ☐
- 10 हर फ्लोर की बाउंड्री/पैरापेट/रेलिंग का रेट लिखित में पक्का हो — शामिल है या अलग। ☐
- 11 किचन की फॉल सीलिंग शुरुआत से ही शामिल हो, ताकि एग्ज़ॉस्ट डक्ट छिप सके। ☐
- 12 हर ग्रिल, रेलिंग और गेट का मैटीरियल (एम.एस. या स्टील) तय हो, रेट प्रति किलो या प्रति रनिंग फीट फिक्स हो। ☐
- 13 साइनिंग के महीनों बाद खरीदी जाने वाली टाइल, ग्रेनाइट, पेंट जैसी फिनिशिंग सामग्री के लिए इन्फ्लेशन-शेयरिंग क्लॉज़ जोड़ा जाए। ☐
- 14 मेन गेट और सीढ़ी की रेलिंग शामिल हैं या नहीं, यह साफ हो; बाहर हों तो 304 ग्रेड स्टील के रेट (लगभग ₹500/किलो) से बजट बनाया जाए और अलग से कोटेशन लिया जाए। ☐
- 15 हर दरवाज़े, खिड़की और लकड़ी की सतह के लिए पेंट या पॉलिश (एनामेल पेंट, मेलामाइन या PU पॉलिश, ब्रांड/ग्रेड सहित) साफ लिखा हो। ☐
- 16 सब-कॉन्ट्रैक्टर के नाम और पेमेंट की ज़िम्मेदारी लिखी हो, ताकि उनकी पेमेंट में देरी आपके काम की देरी का बहाना न बने। ☐
- 17 AC पाइपिंग, ड्रेन पॉइंट और वॉल स्लीव शुरुआत से ही इलेक्ट्रिकल/प्लंबिंग स्कोप में शामिल हों। ☐
- 18 लेंटर के काम के लिए प्रीमियम ग्रेड सीमेंट का नाम साफ लिखा हो। ☐

- 19** कॉलम, बीम और प्लिंथ बीम का सरिया भविष्य में जितने भी फ्लोर बढ़ सकते हैं उसके हिसाब से साइज़ हो — सिर्फ अभी वाले फ्लोर के हिसाब से नहीं — स्ट्रक्चरल इंजीनियर से कन्फर्म करके कॉन्ट्रैक्ट/ड्राइंग में लिखवाएं। ☐
- 20** हर फ्लोर के हर बाथरूम में सही सनकेन स्लैब (असली नीचे डला RCC पोर, सिर्फ मलबा भराव नहीं) तय हो। ☐
- 21** साइन करने से पहले लाइट पॉइंट लेआउट, डिज़ाइनर वॉल का डिज़ाइन और वॉल/सीढ़ी की मोल्डिंग डिज़ाइन फाइनल करके कॉन्ट्रैक्ट से अटैच हो। ☐
- 22** कैटीलीवर बीम का डिज़ाइन और सरिया स्पेसिफिकेशन ढलाई से पहले स्ट्रक्चरल इंजीनियर से अप्रूव हो। ☐
- 23** प्लिंथ बीम हर जॉइंट पर एक इंटरकनेक्टेड फ्रेम के रूप में कन्फर्म हों, अलग-अलग टुकड़ों में नहीं — इसकी कीमत पहले से कॉन्ट्रैक्ट में शामिल हो। ☐
- 24** क्यारियां सही 4-6 इंच ईट की बाउंड्री और सीमेंट स्लरी लाइनिंग से बनें, कम से कम 21 दिन पानी से भरी रहें और उस दौरान छत पर कोई और काम न हो; सीढ़ी की ढलाई मुख्य लैंटर के साथ उसी दिन या अगले दिन हो। ☐
- 25** हर दिखने वाली चीज़ (सीढ़ी, रैंप, दरवाज़े, खिड़कियां, ग़िल, सिंक, टॉयलेट, गेट, रेलिंग) का सही साइज़, मटीरियल, ग्रेड और मॉडल लिखा हो — मानकर चलें कि जो नहीं लिखा, वह सबसे सस्ता मिलेगा। ☐
- 26** सीढ़ी का ग्रेनाइट तय हो: सिंगल या डबल लेयर, किनारे की मोल्डिंग, ग्रेनाइट का टाइप/रंग और मोटाई, और राइज़र। ☐
- 27** हर दरवाज़े और चौखट के लिए लकड़ी का टाइप (ठोस सागवान/कोई और हार्डवुड/प्लश), मोटाई और फिनिश लिखी हो। ☐
- 28** हर खिड़की तय हो: सिंगल या डबल पल्ला, जाली + शीशा, शीशे का टाइप और मोटाई, फ्रेम का मटीरियल। ☐
- 29** छत की ग़िल का डिज़ाइन पहले ही तय हो (सादा पाइप, CNC जाली, MS आयरन या स्टील), डिज़ाइन रेफरेंस और रेट के साथ। ☐
- 30** किचन सिंक 304 ग्रेड स्टेनलेस स्टील का लिखा हो, साइज़, बाउल/ड्रेनबोर्ड टाइप, ब्रांड और मॉडल के साथ, और नल का मॉडल भी। ☐
- 31** हर बाथरूम में हर WC, वॉश बेसिन, नल, शावर और प्लश का ब्रांड और मॉडल नंबर दोनों लिखे हों। ☐
- 32** पेमेंट कभी भी पूरे हुए काम से आगे नहीं; काम छोड़ने पर लिखित क्लॉज़ (बचा काम नापकर उसके खर्च पर दूसरे ठेकेदार को दिया जाएगा); हर एक्स्ट्रा काम से पहले रेट के साथ लिखित में मंज़ूर; फोटो और पेमेंट का रिकॉर्ड रखा गया हो। ☐